## पुनः हरियाणा में गतिविधियाँ तेज हुई

राष्ट्रीय शराबबंदी अभियान यात्रा का तीसरा चरण 25 अक्टूबर दीपावली से ग्राम बनचारी (फरीदाबाद) से शुरू होना था लेकिन इसे स्थगित कर 25 नवम्बर 1992 से शुरू किया गया। जो 15 दिसम्बर को चण्डीगढ़ पहुँचा। 21 दिन की यह यात्रा भी भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में निकाली गई। यह यात्रा 25 नवम्बर को बनचारी से लीखी, दोघाट, घर्रोट, मंडकोला, धतीर, अलावलपुर होते हुए सायं टीकरी ब्राह्मण पहुँची। 26 नवम्बर को पृथला, अटाली, मोहना, तिगांव जसाना, खेड़ी कलां, पुराना फरीदाबाद होते हुए सायं मिलाप दवाखाना, फरीदाबाद पहुँची। 27 नवम्बर को वजीराबाद, झाड़सा, डूँडाहेड़ा, गुड़गाँव, दौलताबाद, बसई, बादशाहपुर, भोंड़सी होते हुए सायं सोहना पहुँची। 28 नवम्बर को तावडू, मोहम्मदपुर, पंचगाँव, सिधरावली, मसानी, बावल, रेवाड़ी, पाल्हावास होते हुए सायं गोरावड़ा पहुँची। 29 नवम्बर को रोहड़ाई, मोतला, कंवाली, जैनावाद- उहीना, कारौली, लूखी, नाहड़, कोसली होते हुए सायं कनीना पहुँची। 30 नवम्बर को मूंडियाखेड़ा, दोंगड़ा अहीर, सीहमा, बाछोद, अटेली, शोभापुर, धोलैडा होते हुए सायं सैद अलीपुर पहुँची। 1 दिसम्बर को बशीरपुर, भांखरी, चिण्डालिया, माधोगढ़, डालनवस, बारडा, सुरेहती, नावां होते हुए सायं रूदड़ोल पहुँची। 2 दिसम्बर को जुई, बाढडा, झोझूकलां, मन्दोला, राणीला, बोन्दकलां, मालपोस, नीमड़ीवाली होते हुए सायं भिवानी पहुँची। 3 दिसम्बर को बवानीखेड़ा, उमरा, सिसाय, भाटौल, राजली, बरवाला, सूरेवाला होती हुई सायं बिठमड़ा पहुँची। 4 दिसम्बर को दनौदा, सच्चाखेड़ा, नरवाणा, सुदकनकला, डूमरखाकलां, बुडायान, उचानाखुर्द, बड़ौदा होते हुए सायं जीन्द शहर पहुँची। 5 दिसम्बर को शाहपुर, नगूरा, डाहोला, पेगां, किठाना, अलेवा, कण्डेला, घरोण्डा होते हुए सायं जुलाना पहुँची। 6 दिसम्बर को फरमाणा, निन्दाना, बहलबा, खरकड़ा, मोखरा, बहु अकबरपुर, टिटौली होते हुए सायं मकडौली कलां पहुँची। 7 दिसम्बर को बालन्द, करौंथा, गोछी, बेरी, दूबलधन, माजरा (जहाजगढ़), खेड़ी होते हुए सायं झज्जर पहुँची। 8 दिसम्बर को डाबोधा कलां, माण्डोठी, छारा, भापडौदा, हसनगढ़, रोहणा, सिसाना, भालौट होते हुए सायं बलियाना पहुँची। 9 दिसम्बर को किलोई, लाढ़ोत, सांघी, चिड़ी, कथूरा, आहूलाना, बरोदा, बुटाना होते हुए सायं मुडलाना पहुँची। 10 दिसम्बर को नगर, भैंसवाल कलां, फरमाणा, विधलाण, भटगाँव, मुरथल, खेकड़ा होते हुए सायं कुराड़ पहुँची। 11 दिसम्बर को मनाणा, पट्टी कल्याणा, आट्टा, सिवाह, माण्डी, बुवाना, इसराना, डाहर, गगसीना होते हुए सायं बला पहुँची। 12 दिसम्बर को पाढ़ा, सालवन, बड़ौता, खेडीनरू, रसीना, फतेहपुर, मूंदड़ी, सौंत होते हुए सायं गूहना पहुँची। 13 दिसम्बर को जाजनपुर, कौल, पबनावा, मुर्तजापुर, कमौदा, ज्योतिसर, रादौर, दामला, फतेहपुर होते हुए सायं गुन्दियाना पहुँची। 14 दिसम्बर को मुस्तफाबाद, सढ़ौरा, नारायणगढ़, मुलाना, बिहटा, रायपुर रानी, पंचकूला, पिंजोर होते हुए सायं मनी माजरा पहुँची। 15 दिसम्बर को हरियाणा के राज्यपाल श्री धनिक लाल मण्डल को ज्ञापन देकर कहा गया कि जब तक हरियाणा में शराबबंदी न होगी उनका आन्दोलन जारी रहेगा।

21 दिन की इस बृहद् यात्रा को सफल बनाने में श्री जगवीर सिंह का कुशल संयोजन रहा तथा श्री रामधारी शास्त्री, महेन्द्र सिंह शास्त्री, विरजानन्द, जयवीर के साथ-साथ भगत मंगतू राम (तावडू, गुड़गाँव), प्रो. श्योताज सिंह (संयोजक, रिवाड़ी), बनवारी लाल आर्य (संयोजक, महेन्द्रगढ़), रामपाल शास्त्री (संयोजक, भिवानी), धर्मवीर आर्य (संयोजक, हिसार), कर्ण सिंह रेढू (संयोजक, जीन्द), पं0 रामचन्द्र आर्य (संयोजक, रोहतक), जयप्रकाश आर्य (संयोजक, सोनीपत), स्वामी धर्मदेव भीष्म (संयोजक, करनाल), स्वामी सदानन्द (संयोजक, यमुनानगर), बलवीर सिंह चौहान 'एडवोकेट' (संयोजक, अम्बाला) आदि की अनथक मेहनत काम आई। स्वामी इन्द्रवेश, स्वामी अग्निवेश, स्वामी आदित्यवेश सहित 15 संन्यासी और 35 प्रबुद्ध युवा सामाजिक कार्यकर्त्ता इस यात्रा में साथ रहे। 21 दिन की इस यात्रा में लगभग 200 से अधिक जन-सभाओं को सम्बोधित किया गया। 10-15 वाहन इस यात्रा में साथ रहे जिन पर ओ३म्-ध्वज लगे हुए थे। तीन गाड़ियों पर लाउड स्पीकर लगे हुए थे। सहदेव बेधड़क और तेजपाल सिंह की तेजस्वी भजन मंडलियां साथ थीं। यात्रा के दौरान 135 गाँवों से 2 लाख 17 हजार सत्तर रुपये नब्बे पैसे का

दान भी प्राप्त हुआ। सर्वश्री सत्यानन्द जी आर्य (इकनॉमिक ट्रांसपोर्ट, दिल्ली) ने इक्कीस दिन के लिए डी. सी.एम. टोयटा गाड़ी, श्री आर.डी. बंसल से डीजल सहित प्रदान करवाई और 25 हजार का दान भी दिलवाया। श्री फूलचन्द आर्य (जय भारत टैक्सटाइल्स, कलकत्ता) ने एक लाख विज्ञप्तियाँ छपाने के लिए 15 हजार का दान दिया। भगत मंगतू राम जी ने तावडू में, रामपाल शास्त्री सरपंच ने सुरेहती, (महेन्द्रगढ़) में, और जय प्रकाश आर्य ने शाहपुर, (जीन्द) में स्वामी इन्द्रवेश जी को सिक्कों से तोला। शराब के विरुद्ध शुरू की गई यह प्रचण्ड यात्रा कितनी सफल रही इसकी समीक्षा दैनिक अखबारों ने की व आकाशवाणी तथा दूरदर्शन पर इसका जमकर प्रसारण हुआ। अखबारों की समीक्षा के कुछ नमूने यहाँ दिये जा रहे हैं:-

1 दिसम्बर 1992 को नवभारत टाइम्स लिखता है-